एशिया कप ट्रॉफी विवाद सुलझने के करीब

बीसीसीआई ने आईसीसी की बैठक में उठाया मुद्दा

दुबई, 8 नवम्बर एशिया कप ट्रॉफी विवाद सुलझने के करीब है, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारियों ने आखिरकार बर्फ पिघला दी है।

आईसीसी के कुछ अधिकारियों की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद, दोनों बोर्ड – जो लंबे समय से एशिया कप ट्रॉफी विवाद को लेकर असहमत थे – सौहार्दपूर्ण ढंग से बातचीत करने और गतिरोध समाप्त करने के करीब पहुंच गए हैं।

देवजीत सैकिया ने एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा उठाया, जिसे

- **बैठक में मोहसिन नकवी भी शामिल हुए**

विजेता भारतीय टीम को नहीं दिया गया था। बीसीसीआई सचिव सैकिया और पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी के बीच बैठक कराने से पहले आईसीसी ने इस मामले पर औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह से चर्चा की। सैकिया ने बताया, मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक दोनों बैठकों में शामिल था, जिनमें पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी भी शामिल हुए थे। हालांकि यह मामला औपचारिक एजेंडे में शामिल नहीं था, फिर भी आईसीसी ने एक वरिष्ठ आईसीसी पदाधिकारी और एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी की

मौजूदगी में पीसीबी प्रमुख और मेरे बीच एक अलग बैठक कराई।बीसीसीआई सचिव ने आगे कहा, यह बातचीत की प्रक्रिया को फिर से शुरू करने की दिशा में एक रचनात्मक कदम था। आईसीसी बोर्ड की बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक बातचीत हुई।

चोट के बाद रिटायर हर्ट हुए ऋषभ पंत

शेपो मोरेकी की गेंदों पर तीन बार चोट लगी

बेंगलुरू 8 नवंबर भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका ए दूसरे अनाधिकृत टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को चोट लगने के बाद रिटायर हर्ट होकर वापस लौटना पड़ा। आज यहां बेंगलुरू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जा रहे मैच के तीसरे दिन के पहले सत्र में पंत को तेज गेंदबाज शेपो मोरेकी की गेंदों पर तीन बार चोट लगी। यह चोट उनके शरीर और हेलमेट पर लगी, जिसके बाद उन्हें 34वें ओवर में रिटायर हर्ट होना पड़ा।

पहली गेंद लगी थी हेलमेट पर

पंत तीसरे ओवर में नंबर पांच पर बल्लेबाजी के लिए आए थे, जब ओवरनाइट बल्लेबाज केएल राहुल को ओकुह्ले सेले ने 27 रन पर बोल्ड कर दिया। पंत ने शुरुआत में तेजी से रन बनाए और उनके पहले तीन शॉट्स 4, 4 और 6 रन थे। लेकिन शॉर्ट गेंदों पर उनके शरीर पर लगे प्रहारों से उन्हें दर्द महसूस होने लगा। पहली चोट उन्हें तब लगी, जब उन्होंने मोरेकी की शॉर्ट गेंद पर रिवर्स पिकअप शॉट खेलने का प्रयास किया और गेंद सीधे हेलमेट पर लगी। दूसरी चोट उनके दाहिने कोहनी पर लगी। फिजियो ने इसके बाद उन्हें स्प्रे किया और कोहनी पर टेप भी बांधा। तीसरी चोट उनके पेट पर लगी। इससे उन्हें बेहद तकलीफ हुई, जिसके बाद टीम प्रबंधन ने उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया।

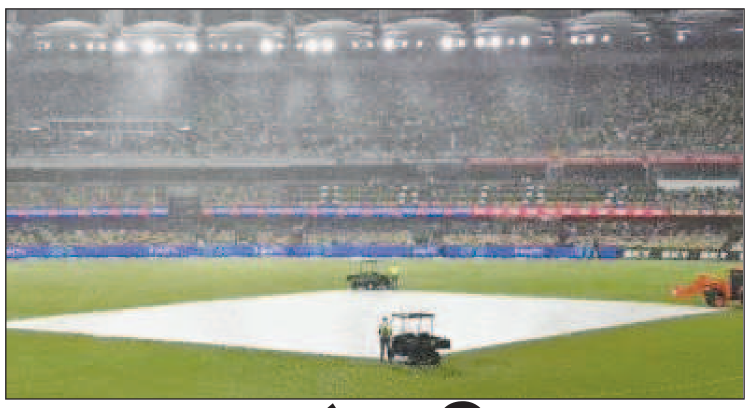

भारत ने टी–20 सीरीज कब्जाई

ब्रिसबेन, 8 नवंबर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवां और अंतिम टी–20 मुकाबला शनिवार को भारी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया, जिससे भारत ने सीरीज 2–1 से अपने नाम की।

- **आखिरी टी–20 मैच बारिश के कारण बेनतीजा**
- **भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 2–1 से जीती सीरीज**

मैच रद्द होने के समय भारत ने 4.5 ओवर में बिना विकेट खोए 52 रन बना लिए थे। ओपनर अभिषेक शर्मा 23* और शुभमन गिल 29* नाबाद थे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, लेकिन भारतीय ओपनरों ने तेज शुरुआत करते हुए केवल 4.5 ओवर में ही 52 रन ठोक दिए। गिल ने बेन ड्वारश्विस के

> भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में जीतना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन हमारे युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया। यह सीरीज जीत भारतीय क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य की झलक है। टीम इंडिया की इस जीत में जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह और शिवम दुबे का अहम योगदान रहा।

तीसरे ओवर में लगातार चार चौके जड़े, जबकि अभिषेक ने एक चौका और एक छक्का लगाया। भारत की यह आक्रामक शुरुआत ज्यादा देर जारी नहीं रह सकी, क्योंकि अचानक मौसम ने करवट ली। तेज बिजली और गरज–लपक के कारण खिलाड़ियों को मैदान छोड़ना पड़ा और दर्शकों को सुरक्षा कारणों से बाहर निकलने के निर्देश दिए गए। लगभग दो घंटे के इंतजार के बाद मैच रद्द घोषित कर दिया गया।

सबालेंका और रयबाकिना होंगी फाइनल में आमने–सामने

डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताबी टकराव आज रियाद में

रियाद, 8 नवंबर। शीर्ष वरीयता प्राप्त बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शुक्रवार को अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को रोमांचक तीन सेटों में 6–3, 3–6, 6–3 से हराकर 2025 डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फाइनल में जगह बना ली। अब खिताब के लिए उनका मुकाबला कज़ाकिस्तान की एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने सेमीफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 4–6, 6–4, 6–3 से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

सबालेंका और अनिसिमोवा के बीच यह मुकाबला शुरुआती सर्विस गेम से ही बेहद कड़ा रहा। दोनों खिलाड़ियों ने एक–दूसरे के सर्विस गेम पर दबाव बनाने की कोशिश की। पहले सेट में सबालेंका ने अपनी

- **सबालेंका ने अनिसिमोवा को तीन सेटों में हराया**
- **रयबाकिना ने पेगुला को मात देकर बनाया रिकॉर्ड**

ताकतवर बेसलाइन गेम का इस्तेमाल करते हुए पांचवें गेम में ब्रेक हासिल किया और बढ़त बनाई। अनिसिमोवा ने वापसी की कोशिश की, लेकिन लगातार दो डबल फॉल्ट ने उनका नुकसान कर दिया, जिससे सबालेंका ने पहला सेट 6–3 से जीत लिया। दूसरे सेट में मैच का रुख बदल गया। अनिसिमोवा ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और सबालेंका की सर्विस को दो बार तोड़ते हुए 4–0 की बढ़त बना ली। सबालेंका ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अनिसिमोवा ने लय बनाए रखी और सेट 6–3 से अपने नाम किया। निर्णायक सेट में सबालेंका ने अंतिम गेम में एक और ब्रेक लगाकर तीसरा सेट 6–3 से जीता और फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

> मैच के बाद सबालेंका ने कहा, सच कहूँ तो, अगर मैं यह मैच हार भी जाती, तो कोई अफसोस नहीं होता, क्योंकि यह अब तक का सबसे बेहतरीन मुकाबला था। हम दोनों ही इस फाइनल की हकदार थीं। मैं जीतकर खुश हूँ और अब फाइनल के लिए पूरी तरह तैयार हूँ।

भारत ए ने दिया 417 रनों का लक्ष्य

बेंगलुरु, 8 नवंबर ध्रुव जुरेल (नाबाद 127) की शतकीय, हर्ष दुबे (84) और कप्तान ऋषभ पंत (65) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारत ए ने शनिवार को दूसरे

- **ध्रुव जुरेल का नाबाद शतक**

अनौपचारिक टेस्ट मैच के तीसरे दिन सात विकेट पर 382 के स्कोर पर पारी घोषित कर पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर दक्षिण अफ्रीका ए को जीत के लिए 417 रनों का लक्ष्य दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका ए टीम ने बिना कोई विकेट

खोए 25 रन बना लिये और उसे मैच जीतने के लिए अभी 392 रनों की जरूरत है। भारत ए ने कल के तीन विकेट पर 78 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में भारत का चौथा विकेट के एल राहुल (27) के रूप में गिरा। उन्हें ओकुह्ले सेले ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान ऋषभ पंत को तीन बार चोटिल होने के बार 34वें ओवर में रिटायर हर्ट होना पड़ा। ऐसे संकट के समय ध्रुव जुरेल और हर्ष दुबे की जोड़ी ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। स्कोर को 300 के पार ले गये। इसी दौरान शेपो मोरेकी ने हर्ष दुबे (84) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद एक बार फिर ऋषभ पंत बल्लेबाजी करने लौटे। उनके और ध्रुव जुरेल के बीच 82 रनों की साझेदारी हुई, इस दौरान ध्रुव जुरेल ने अपना शतक तथा ऋषभ पंत ने अपना अर्धशतक पूरा किया। ऋषभ पंत 54 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के की मदद से 65 रन बनाकर आउट हुये।

अर्जुन एरिगैसी और पी . हरिकृष्णा ने दर्ज की शानदार जीत

गुकेश और प्रज्ञानंदधा ने ड्रॉ खेला

पणजी, 8 नवंबर. यहां जारी फ़िडे विश्व कप 2025 के तीसरे राउंड के पहले मैच में शुक्रवार को ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी और पी हरिकृष्णा ने सफ़ेद मोहरों से बेहतरीन खेल दिखाते हुए शानदार जीत दर्ज की जबकि विश्व चैंपियन गुकेश डी ने काले मोहरों

- **फिडे विश्व कप 2025**

से ड्रॉ खेला।

इस प्रतियोगिता में सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय अर्जुन ने उज़्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव को 30 चालों में हराया, जबकि हरिकृष्णा ने एक बार फिर अपनी तैयारी पर नियंत्रण दिखाते हुए बेल्जियम के ग्रैंडमास्टर डैनियल दर्धा को 25 चालों में हराकर चौथे राउंड में प्रवेश कर लिया। अर्जुन और हरिकृष्णा ने एक बार फिर दिखा दिया कि वे

> कुल 10 भारतीय खिलाड़ी फ़िडे विश्व कप 2025 के तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। यह सिंगल–एलिमिनेशन नॉक–आउट टूर्नामेंट है जिसमें 82 देशों के 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित विश्वनाथन आनंद कप के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस ट्रॉफी का नाम इस भारतीय दिग्गज के नाम पर रखा गया है।

खिताब जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक क्यों हैं। पहले दौर में बाई मिलने के बाद दूसरे दौर में अपने दोनों मैच जीतने वाले अर्जुन ने वोखिदोव के खिलाफ बिल्कुल भी परेशानी में नहीं दिखे और उन्होंने अपनी चाल पर 10 मिनट से ज़्यादा समय तक सिर्फ़ तभी विचार किया जब वह जीत के कगार पर थे.

एक नजर में

पहली बार खेली पिता–पुत्र की जोड़ी

नयी दिल्ली. टिमॉर–लेस्ट के सुहैल सत्तार (50 वर्ष) और यहया सुहैल (17 वर्ष) अंतरराष्ट्रीय मैच में एक साथ खेलने वाले पहले पिता–पुत्र की जोड़ी बन गए हैं। उन्होंने यह अनोखी उपलब्धि टिमॉर–लेस्टे के पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में हासिल की, जब उन्होंने 6 नवंबर को बाली में मेजबान इंडोनेशिया के ख़िलाफ़ एक साथ बल्लेबाज़ी की। हालांकि यहया और सत्तार पहले पैरेंट (माता–पिता) और बच्चे की जोड़ी नहीं हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच में साथ खेला हो। स्विट्ज़रलैंड की महिला टीम की मेटी फ़र्नांडिस और उनकी बेटी नैना मेटी साजू ने इस साल छह टी20 एक साथ खेले थे। घरेलू क्रिकेट में पिता–पुत्र की कई जोड़ियां साथ या एक–दूसरे के ख़िलाफ़ खेल चुकी हैं। शिवनारायण चंद्रपॉल और उनके बेटे तेजनारायण ने गयाना के लिए 11 प्रथम श्रेणी मैच साथ खेले थे। इनमें से एक मैच में शिवनारायण ने अपने बेटे की कप्तानी भी की थी, जो विंडवर्ड आइलैंड्स के ख़िलाफ़ प्रोविडेंस स्टेडियम में मार्च 2014 में हुआ था। हाल ही में 2025 के स्पगीज़ा क्रिकेट लीग फ़ाइनल में अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी ने अपने बेटे हसन ईसाखिल के ख़िलाफ़ खेला था। हालांकि टिमॉर–लेस्ट की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट यात्रा की शुरुआत कठिन रही और उन्होंने अपने शुरुआती तीनों मैच दस विकेट से गंवाए हैं।

असम राइफल्स हाफ मैराथन 14 दिसंबर को

नयी दिल्ली. असम राइफल्स हाफ मैराथन का बहुप्रतीक्षित पांचवां संस्करण इस वर्ष 14 दिसंबर को मेघालय के शिलांग में आयोजित किया जाएगा। इसकी घोषणा आयोजकों ने शनिवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की। भारत के सबसे पुराने अर्धसैनिक बलों में से एक, असम राइफल्स, जिसकी स्थापना 1835 में हुई थी और जो गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत है, द्वारा यह मैराथन पहली बार 2021 आयोजित की गयी थी। यह मैराथन फिटनेस, सौहार्द और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गयी थी। पांचवें संस्करण में 12 वर्ष से लेकर 60 वर्ष से अधिक आयु के 3000 से अधिक धावक तीन अलग–अलग दूरियों – 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी – में भाग लेंगे। धावक न केवल ऊपरी शिलांग के सबसे मनोरम मार्ग पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे, बल्कि 20 लाख रुपये की भारी–भरकम पुरस्कार राशि के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगे। आयोजकों ने इस वर्ष की असम राइफल्स हाफ मैराथन के लिए फिनिशर मेडल, ग्रे और मैरून रंग की जर्सी और रूट का भी अनावरण किया। इस अवसर पर असम राइफल्स मुख्यालय के अधिकारी प्रतिनिधि कर्नल नवजोत सिंह (एसएम) ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि असम राइफल्स हाफ मैराथन का पांचवां संस्करण इस वर्ष 14 दिसंबर को ऊपरी शिलांग में आयोजित किया जाएगा।

काउंटी स्पर्धा में कूकाबुरा गेंद का प्रयोग समाप्त

ईसीबी का निर्णय

लंदन, 8 नवम्बर इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने काउंटी निदेशकों और पेशेवर खेल समिति से मिली प्रतिक्रिया के बाद, 2026 सीजन से काउंटी चैंपियनशिप में कूकाबुरा गेंदों के इस्तेमाल को समाप्त करने का फैसला किया है।

काउंटी क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए तीन साल पहले शुरू किया गया यह परीक्षण, अधिकांश मैचों में बिना किसी घटना के होने के कारण असफल माना गया है। इस सीजन में सरे और डरहम के बीच ओवल में खेला गया मैच, जहां मेजबान टीम ने 9 विकेट पर 820 रन

> कूकाबुरा गेंद का इस्तेमाल पहली बार 2023 सीजन में दो राउंड के मैचों के लिए किया गया था, जिसे 2024 और 2025 में चार–चार राउंड तक बढ़ा दिया गया। हालांकि, अक्टूबर में हुई चर्चा के दौरान सभी 18 प्रथम श्रेणी काउंटियों के क्रिकेट निदेशकों द्वारा इस प्रयोग को बंद करने की इच्छा व्यक्त करने के बाद, ईसीबी की पेशेवर खेल समिति ने इस सप्ताह की शुरुआत में औपचारिक रूप से इस निर्णय की पुष्टि कर दी। परिणामस्वरूप, 2026 काउंटी चैंपियनशिप के सभी 14 राउंड एक बार फिर मशीन से बनी कूकाबुरा के बजाय पारंपरिक हाथ से सिली हुई ड्यूक्स गेंद से ही खेले जायेंगे।

सौराष्ट्र 160 रन पर सिमटा

मंगलापुरम, 8 नवंबर एम डी निधीश (छह विकेट) और बाबा अपराजित (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर केरल ने रणजी ट्रॉफी तीसरे दौर के एलीट ग्रुप बी मुकाबले में सौराष्ट्र को 160 के स्कोर पर समेट दिया। स्टंप्स के समय केरल ने दो विकेट पर 82 रन बना लिये हैं। आज यहां केरल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सौराष्ट्र की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र सात रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। हार्विक देसाई (शून्य), चिराग जानी (पांच) और अर्पित वसावड़ा (शून्य) को एम डी निधीश ने आउट किया।

डेफलिंपिक्स | **टोक्यो डेफलिंपिक 2025 के लिए भारत का अब तक का सबसे बड़ा दल घोषित**

111 सदस्यीय भारतीय दल 11 खेलों में दिखाएगा दम

नयी दिल्ली, 8 नवंबर भारत ने जापान के टोक्यो में 15 नवंबर से 26 दिसंबर तक होने वाले आगामी डेफलिंपिक खेलों के लिए 111 सदस्यीय दल की घोषणा की है। इस

- **खेल मंत्रालय ने दल को दी मंजूरी**
- **भारत 73 एथलीटों के साथ करेगा प्रतिनिधित्व**
- **पिछली बार ब्राज़ील में जीते थे 16 पदक**

दल में 73 एथलीट और 38 कोच शामिल हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा भारतीय दल है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करेगा। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने सरकार के खर्च पर इस पूरे दल को मंजूरी दी है।

भारत 11 खेलों—एथलेटिक्स, बैडमिंटन, गोल्फ, जूडो, कराटे, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, कुश्ती और टेनिस—में भाग लेगा। डेफलिंपिक खेलों का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय बधिर खेल समिति (आईसीएसडी) द्वारा किया जाता है। यह समिति अगस्त 1924 से स्वतंत्र रूप से कार्य कर रही है और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा मान्यता प्राप्त है। हालांकि, यह समिति अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति से संबद्ध नहीं है।

आईओसी के संरक्षण में आयोजित डेफलिंपिक्स दुनिया के दूसरे सबसे पुराने अंतरराष्ट्रीय बहु–खेल आयोजन

DEAFLYMPICS

हैं। आईसीएसडी के 117 देशों के राष्ट्रीय संगठन इसमें शामिल हैं। आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने 16 मई 2001 को 'विश्व बधिर खेलों' का नाम बदलकर डेफलिंपिक्स कर दिया, ताकि खेलों की पहचान और स्थिति स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो सके। पहला डेफलिंपिक्स 1924 में पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय मूक खेल के नाम से आयोजित हुआ था। इसके बाद, द्वितीय विश्व युद्ध के समय को छोड़कर, यह आयोजन हर चार साल में होता आ रहा है। 1924 से अब तक आईसीएसडी 24 ग्रीष्मकालीन और 18 शीतकालीन डेफलिंपिक्स का आयोजन कर चुका है। हर चार वर्ष में विभिन्न खेलों में विश्व और क्षेत्रीय चैंपियनशिप भी आयोजित की जाती हैं। हाल ही में ब्राज़ील के कैक्सियास डू सुल में हुए 24वें ग्रीष्मकालीन डेफलिंपिक्स में 2,400 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया था। भारत की डेफलिंपिक यात्रा 1965 में शुरू हुई थी, जब वाशिंगटन में सात पुरुष एथलीटों और पांच अधिकारियों के साथ उसने पहली बार भाग लिया।

> इस बार का 111 सदस्यीय दल देश की अब तक की सबसे बड़ी उम्मीदों के साथ रवाना होगा। खेल मंत्रालय और भारतीय बधिर खेल महासंघ को भरोसा है कि खिलाड़ी न सिर्फ पदकों की संख्या बढ़ाएंगे, बल्कि भारत की वैश्विक पहचान को और मजबूत करेंगे। भारत के डेफलिंपिक मिशन के कोचों और सपोर्ट स्टाफ ने कहा कि इस बार तैयारी पहले से अधिक सुदृढ़ है। एथलीटों को अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं दी गई हैं, और मानसिक मजबूती पर विशेष ध्यान दिया गया है। टोक्यो डेफलिंपिक 2025 सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारतीय खेलों की नई उड़ान का प्रतीक होगा। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या यह दल भारत के पिछले प्रदर्शन को पार कर नई सफलता का इतिहास रच पाएगा।